तनाव से बचाव के लिए राजयोग आवश्यक

माउंट आबू, 2 जून। भिलाई स्टील प्लांट के महाप्रबंधक एन.पी. बोहिदार ने कहा है कि अत्यधिक व्यस्ततम कार्यक्षेत्र में तनाव व परेशानी से बचने में राजयोग व मूल्यों की शिक्षा सहायक सिद्ध होगी। यह बात उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर में विज्ञान एवं तकनीकी प्रभाग की ओर से जीवन उत्कर्ष विषय पर आयोजित अखिल भारतीय सेमीनार में उपस्थित सहभागियों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम के लिए जीवन में खुशी व आनंद के लिए अध्यात्मिकता आवश्यक है। देश के विकास में उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उद्योग के साथ योग का जुड़ाव कार्य में कुशलता व कार्यक्षमता में वृद्धि लाकर बेहतर परिणाम लाने में सक्षम है।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि वैज्ञानिक व इंजिनियर यदि इस सत्य को स्वीकार कर लें कि सर्व प्रकार के प्रबंधन से पूर्व स्व-प्रबंधन आवश्यक है तो सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान हो जाएगा। साइंस ने जो भी नवीन उपलब्धियां हासिल की हैं वह साइलेंस के बल पर ही संभव हो पाई हैं। साइलेंस का प्रयोग ब्राह्य खोज के साथ आत्मिक उत्थान के लिए भी होना चाहिए तभी सर्वांगीण विकास हो पाएगा।

एनडीआरआई करनाल के वैज्ञानिक वी.एस.रैना ने कहा कि तकनीकी रूप से निरंतर विकास व उत्पादन की बढ़ौतरी ही उत्कृष्टता है। यह धारणा यहां आकर परिवर्तित हुई है।

विज्ञान एवं तकनीकी प्रभाग अध्यक्ष बीके सरला बहन ने कहा कि कार्य को बेहतर तरीके से करना व उसमें नैतिक, सामाजिक व भावनात्मक रूप से निखार लाना ही वास्तविक उत्कृष्टता है।

प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक मोहन सिंघल समेत विभिन्न वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किए।